मैया बही पूरब से आय कुंवारी हैं रेवा माँ नर्मदा भजन

मैया बही पूरब से आय,
कुंवारी हैं रेवा,
मैया कल कल करती आय,
कुंवारी हैं रेवा।bd।

नर नारी आते संध्या में,
दीप दान करते मैया का।
भोले नाथ बिराजे वहां पर,
शनि देव बैठे पेहरे पर,
शनि देव बैठे पेहरे पर,
रहे झंडा लहराये कि मैया मोरी,
रहे झंडा लहराये कुंवारी है रेवा,
मैया बही पुरब से आय,
कुंवारी हैं रेवा।bd।

कोउ चढ़ावे तोहे चुनरिया,
कोउ चढ़ावे फूल पंखुड़िया,
निर्मल है मैया का जल थल,
कर स्नान खुशी भये जन मन,
कोउ करे स्नान कि मैया मोरी,
कोउ करे स्नान कुंवारी है रेवा,
मैया बही पुरब से आय,
कुंवारी हैं रेवा।bd।

आर पार मैया को खेरो,
कर डिंडौरी नाम बखेरो,
पंच कोसी में शहर को घेरो,
दच्छिण दिशा करो है फेरो,
भक्त भये खुशहाल कि मैया मोरी,
भक्त भये खुशहाल कुंवारी है रेवा,
मैया बही पुरब से आय,
कुंवारी हैं रेवा।bd।

मैया बही पुरब से आय,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कुंवारी हैं रेवा,
मैया कल कल करती आय,
कुंवारी हैं रेवा।bd।

गायक – कमलेश कुमार सोनी
संपर्क – 9893803384

यह भजन भजन डायरी द्वारा जोड़ा गया है।
आप भी अपना भजन यहाँ जोड़ सकते है।

---

https://youtu.be/a0udMchjoKo

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com